कृषि तथा ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह राव): (क) जुताई की आवश्यकता प्रमुख रूप से बीज बोने के लिए खेत की सही तैयारी करने, खर-पतवार पर काबू पाने, मिट्टी में फसल अवशिष्टों के समावेशन और मिट्टी की पानी को सोख लेने की क्षमता बढ़ाने हेतु मिट्टी की कड़ी पपड़ी सतह तोडने के लिए है। भूमि की लगातार अत्यधिक जुताई में न केवल समय, धन और शक्ति लगती है बल्कि इससे मिट्टी का ढांचा नष्ट हो जाता है जिससे पानी और हवा के द्वारा होने वाले कटाव के अधिक प्रखर होने के परिणामस्वरूप मिट्टी की उर्वरता नष्ट हो जाती है। इससे महसूस करते हुए, कृषि विश्वविद्यालयों और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों में जुताई की सही जरूरत पर, जो विभिन्न मिट्टियों और फसलों के लिए बेजोड़ हो, अध्ययन शुरू किये गये हैं। न्यूनतम जुताई का विचार गहन बहु-फसली खेती के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है जहां की मिट्टी की नमी की क्षति को घटाने और अगली फसल को तत्काल बोने के लिए खेत की जुताई में समय का महत्व हो।

(ख) न्यूनतम जुताई करके अच्छी फसल लेने की तकनीक है :—खरीफ की फसल के लिए तैयारी हेतु उपयुक्त जुताई करना और खरीफ की फसल की कटाई के तुरन्त बाद बिना जुताई की तैयारी के रबी की फसल की बुवाई करना, यहां तक कि खेत की खूंटी गिना निकाले भी सीड ड्रिल अथवा बीज व उर्वरक ड्रिल या देशी हल से बुवाई करना। फसल की बुवाई के पश्चात् खर-पतवार की उपज पर या तो मेहनतियों के द्वारा या फसल के लिए जिन झाड़ी नाशकों की सिफारिश की गयी है उनका प्रयोग करके नियन्त्रण करने की आवश्यकता है। कुछ स्थानों पर, जहां कि रेतीली दुमट या रेतीली मिट्टी है, खरीफ की फसल के लिए भी तैयारी की जुताई की आवश्यकता नही है। अनेक अध्ययनों से पता चला है कि एक अच्छी जुताई से उतनी ही उपज प्राप्त हुई है जितनी की 3 से 4 जुताई से प्राप्त होती है। चावल के मामले में पटरा लगाने की संख्या को भी उपयुक्त तरीके से पटरा लगाकर, जिसमें अधिक छेदव की क्षमता हो, कम किया जा सकता है।

**Central Aid for Forestry in Goa**

4048. SHRIMATI SANYOGITA RANE: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Goa has large uncultivable land suitable for forestry; and

(b) if so, the assistance the Centre propose to provide to that Union Terory for forest development?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) and (b). The information is being collected from Union Territory of Goa and will be placed on the Table of the Lok Sabha, when received.

**Pollution of Ground Water**

4049. SHRI K. ARJUNAN: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that the ground water around the Mettur Industrial Areas in Tamil Nadu is polluted by chemicals that is mixed with waste water that flows from the Industries in that areas; and

(b) if so, the steps taken by the Government to prevent the water pollution as well as Air Pollution in these areas?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING (SHRI P. C. SETHI): and (b). The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

**Self-sufficiency in Fish production in West Bengal**

4050. SHRI PIUS TIRKEY: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether keeping in view to achieve self-sufficiency in fish production, any financial assistance has been provided by the Central Government to the West Bengal State; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION (SHRI BIRENDRA SINGH RAO): (a) Yes, Sir.

(b) West Bengal so far has been given Rs. 285.75 lakhs for the fishing harbour at Roychowk and Rs. 32.58 lakhs has been released for providing